

## भाषा पर सामाजिक मीडिया का प्रभाव विजयश्री बी. गुड़ी

हिन्दी विभागाध्यक्षा, एस.जे.आर. महिला विद्यालय, राजाजीनगर,  
बेंगलुरु.

DOI: <https://doi.org/10.5281/zenodo.18771585>

### ABSTRACT:

सोशल मीडिया आधुनिक विश्व में संचार, शिक्षा और ज्ञान के आदान-प्रदान के एक प्रमुख माध्यम के रूप में उभरा है। इसने भाषा के स्वरूप और प्रयोग पर गहरा प्रभाव डालते हुए क्षेत्रीय भाषाओं को एक वैश्विक मंच प्रदान किया है। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता, कृषि संबंधी जानकारी और ई-गवर्नेंस सेवाओं को जन-जन तक पहुँचाने में सोशल मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), मशीन अनुवाद और वॉयस टेक्नोलॉजी जैसी तकनीकों ने भाषाई बाधाओं को दूर कर मानव और मशीन के बीच संवाद को सुगम बनाया है। तकनीकी प्रगति भाषाई संरक्षण और सामाजिक सशक्तिकरण में कैसे सहायक है, इसका विवेचन यहाँ किया गया है।

### KEYWORDS:

सोशल मीडिया, भाषाई प्रयोग, क्षेत्रीय भाषाएँ, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), डिजिटल तकनीक.

### प्रस्तावना

इंटरनेट आज प्रायः सामाजिक मीडिया का पर्याय है। सोशल मीडिया ने व्यक्तियों के जीवन जीने के तरीके को कई तरह से बदल दिया है, खासकर संचार, ज्ञान और शिक्षा से जुड़े क्षेत्रों में। इसका अर्थ यहाँ है कि मानव दूसरों के साथ संवाद तथा संपर्क करना। इसलिए दुनिया भर में कई लोग सोशल मीडिया का उपयोग अपने जीवन के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में करते हैं। सामाजिक मीडिया का प्रभाव, जो भाषा में बदलाव लाकर लोगों के बीच संवाद को आसान बनाते हैं।

भाषा पर सामाजिक मीडिया जैसे व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर आदि ने भाषा के स्वरूप, प्रयोग और विकास पर गहरा प्रभाव डाला है। आज भाषा केवल संप्रेषण का माध्यम नहीं रही, बल्कि पहचान, अभिव्यक्ति और संवाद का साधन बन गई है।

भाषा पर सामाजिक मीडिया का प्रभाव हम कई विधाओं में देख सकते हैं।

1. भाषा का प्रसार: सामाजिक मीडिया के माध्यम से भाषा बहुत तेजी से लोगों तक पहुंचती है। नए शब्द, विचार और सूचनाएं तुरंत साझा हो जाते हैं, जिससे भाषा का दायरा बढ़ता है।
2. विचार अभिव्यक्त करने की स्वतंत्रता: लोग बिना संकोच अपने विचार, भावनाएं और अनुभव अपनी भाषा में व्यक्त कर सकते हैं। इससे आत्मविश्वास और संप्रेषण क्षमता बढ़ती है।
3. क्षेत्रीय भाषाओं का बढ़ावा: सामाजिक मीडिया ने अन्य क्षेत्रीय भाषाओं को नया मंच दिया है। लोग अपनी मातृभाषा में लिखने-पढ़ने लगे हैं।
4. नई शब्दावली का विकास: नई तकनीक और डिजिटल संस्कृति के कारण भाषा में नए शब्द, इमोजी, U, Ur, Plz, Thks जैसे संक्षिप्त रूपों का व्यापक प्रयोग हो रहा है।
5. भाषा सीखने में सहायता: ऑनलाइन पोस्ट, वीडियो, ऑडियो और लेखों के माध्यम से नई भाषा सीखना आसान होता है।
6. लेखन और संवाद कौशल में सुधार: नियमित पोस्ट लिखने, टिप्पणी करने और संदेश भेजने से व्यक्ति की लिखित और मौखिक भाषा क्षमता बेहतर होती है।
7. भाषाई जागरूकता: लोग शुद्ध भाषा, व्याकरण और सही शब्द प्रयोग के प्रति अधिक जागरूक हो रहे हैं, विशेष कर शैक्षणिक और साहित्यिक समूह के माध्यम से।

### भारत में सोशल मीडिया का उपयोग

1. इंटरनेट उपयोग: भारत में लगभग 88.6 करोड़ लोग सक्रिय उपयोगकर्ता हैं। यह संख्या 2025 में 900 मिलियन (90 करोड़) से ऊपर है।
2. सोशल मीडिया का उपयोग: 2025 के अनुसार भारत में लगभग 50 करोड़ लोग सोशल मीडिया का नियमित रूप से उपयोग करते हैं, जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, स्नैपचैट, ट्विटर, चैट GPT आदि।

भारत में कई भाषाओं में सामाजिक मीडिया का उपयोग - एक आंकड़ा

## प्रस्तुत किया है:

हिंदी 42%, इंग्लिश 12%, तमिल और तेलुगु 7%, मराठी और बंगाली 7%, गुजराती, मलयालम, कन्नड़ 7%, अन्य भाषाएँ 7%।

## ग्रामीण में सामाजिक मीडिया का उपयोग:

ग्रामीण उपयोगकर्ताओं में यह स्थानीय भाषा का उपयोग और भी अधिक प्रचलित माना जाता है, क्योंकि ग्रामीण इलाकों में इंग्लिश कंटेंट की पहुंच अपेक्षाकृत कम है। ग्रामीण क्षेत्र में सामाजिक मीडिया का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है और यह सूचना, संचार तथा विकास का एक सशक्त माध्यम बन गया है। स्मार्टफोन और इंटरनेट की उपलब्धता के कारण ग्रामीण लोग फेसबुक, व्हाट्सएप, यूट्यूब, इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हैं।

## जैसे:

1. सूचना और जागरूकता: सामाजिक मीडिया के माध्यम से किसानों को मौसम की जानकारी, फसल के दाम, सरकारी योजनाएं, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़ी सूचनाएं तुरंत मिलती हैं।
2. शिक्षा और ज्ञान प्रसार: ऑनलाइन वीडियो, लाइव कक्षाएं और शैक्षिक पेजों के जरिए विद्यार्थी और युवा नई जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। डिजिटल साक्षरता भी बढ़ रही है।
3. कृषि और व्यवसाय: किसान आधुनिक कृषि तकनीक, जैविक खेती, बाजार से जुड़ी जानकारी और विशेषज्ञों की सलाह सोशल मीडिया से ले रहे हैं। ग्रामीण उद्यमी अपने उत्पादों का प्रचार भी कर रहे हैं।

## सोशल मीडिया तकनीक के साथ भाषाओं का प्रयोग

आधुनिक तकनीक का वह रूप है जिसमें भाषाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। भाषाओं के माध्यम से ही मानव और मशीन के बीच संवाद संभव हो पाता है। तकनीक के साथ भाषाओं का प्रयोग AI को अधिक प्रभावी, उपयोगी और मानव-केंद्रित बनाता है।

1. मानव-मशीन संवाद में भाषा: सोशल मीडिया तकनीक भाषाओं के माध्यम से मानव निर्देशों को समझती है। वॉयस कमांड: “लाइट चालू करो”, “मौसम बताओ”, चैटबॉट द्वारा प्रश्न-उत्तर प्रणाली।
2. प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (NLP) तकनीक: सोशल मीडिया की प्रमुख तकनीक है, जो भाषाओं को समझने और संसाधित करने में

सहायक है। व्याकरण जाँच, भाव विश्लेषण, स्वचालित पाठ निर्माण।

3. मशीन अनुवाद तकनीक: सोशल मीडिया आधारित तकनीक विभिन्न भाषाओं के बीच अनुवाद संभव बनाती है। हिंदी से अंग्रेज़ी या कन्नड़ में त्वरित अनुवाद, बहुभाषिक वेबसाइट और ऐप्स।
4. वाक् पहचान और वाक् संश्लेषण: तकनीक के साथ भाषा का प्रयोग बोलचाल को डिजिटल रूप देता है। भाषण को लिखित रूप में बदलना, पाठ को आवाज़ में बदलना।

### शिक्षा में सोशल मीडिया और भाषा

1. तकनीक भाषाओं के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया को सरल बनाती है: शिक्षा को अधिक सहज और प्रभावी बना रही है। सोशल मीडिया आधारित टूल्स विद्यार्थियों की मातृभाषा में विषयवस्तु प्रस्तुत कर सकते हैं, जिससे जटिल विषयों को समझना आसान हो जाता है। छात्र अपनी गति से सीख सकते हैं, कठिन शब्दों का सरल अर्थ तुरंत मिलता है, व्यक्तिगत सीखने (Personalized Learning) को बढ़ावा मिलता है।
2. ऑनलाइन कक्षाएँ स्थानीय भाषा में: सोशल मीडिया की सहायता से अब ऑनलाइन शिक्षा स्थानीय और क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध हो रही है। ग्रामीण और दूरदराज़ के छात्रों को लाभ, भाषा के कारण पढ़ाई में आने वाली बाधाएँ कम होती हैं, डिजिटल समावेशन (Digital Inclusion) को बढ़ावा।
3. AI शिक्षक: सोशल मीडिया आधारित वर्चुअल शिक्षक 24x7 उपलब्ध रहते हैं। छात्रों की शंकाओं का तुरंत समाधान, अभ्यास प्रश्न और मूल्यांकन, कमजोर छात्रों को अतिरिक्त सहायता।

### भारतीय भाषाएँ और डिजिटल तकनीक

1. सोशल मीडिया तकनीक भारतीय भाषाओं को डिजिटल मंच प्रदान कर रही है: सोशल मीडिया आधारित अनुवाद, वॉइस-टू-टेक्स्ट और टेक्स्ट-टू-स्पीच तकनीकों से भारतीय भाषाएँ डिजिटल दुनिया में सशक्त हो रही हैं। मोबाइल ऐप और वेबसाइट स्थानीय भाषा में, भाषायी विविधता का संरक्षण, डिजिटल सामग्री का विस्तार।
2. सरकारी सेवाएँ क्षेत्रीय भाषाओं में: सोशल मीडिया के माध्यम से सरकारी सेवाएँ अब आम नागरिक की भाषा में उपलब्ध हो रही हैं। ऑनलाइन फॉर्म, चैटबॉट और हेल्पलाइन क्षेत्रीय भाषाओं में,

नागरिकों को योजनाओं की सही जानकारी, पारदर्शिता और पहुँच में वृद्धि।

3. ग्रामीण क्षेत्रों में सूचना का प्रसार: सोशल मीडिया तकनीक ग्रामीण क्षेत्रों में सूचना पहुँचाने का प्रभावी माध्यम बन रही है। कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़ी जानकारी ऑडियो और वीडियो के माध्यम से आसान संप्रेषण, डिजिटल साक्षरता में वृद्धि।

### सोशल मीडिया और भाषा तकनीक

1. सोशल मीडिया तकनीक: सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग भाषा समझने और सामग्री को बेहतर ढंग से प्रस्तुत करने के लिए करते हैं। ऑटो ट्रांसलेशन, वॉइस कमांड, कंटेंट मॉडरेशन।
2. ट्रेंड विश्लेषण: AI सोशल मीडिया पर चल रहे भाषाई और सामाजिक रुझानों का विश्लेषण करता है। लोकप्रिय विषयों की पहचान, जनमत को समझने में सहायता, शोध और मीडिया के लिए उपयोगी।
3. फेक न्यूज़ पहचान: सोशल मीडिया भाषा विश्लेषण के माध्यम से झूठी खबरों की पहचान करता है। भ्रामक सूचना पर रोक, समाज में जागरूकता, सूचना की विश्वसनीयता बढ़ती है।

### ई-गवर्नेंस में भाषा और सोशल मीडिया

1. तकनीक के साथ भाषाओं का प्रयोग प्रशासन को जन-सुलभ बनाता है: AI और भाषा तकनीक के संयोजन से ई-गवर्नेंस अधिक प्रभावी हो रही है। नागरिक अपनी भाषा में शिकायत दर्ज कर सकते हैं, सरकारी पोर्टल उपयोग में सरल, प्रशासन और जनता के बीच बेहतर संवाद कर सकते हैं।
2. AI आधारित शिकायत निवारण प्रणाली: सोशल मीडिया आधारित शिकायत निवारण प्रणाली एक ऐसी डिजिटल व्यवस्था है, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence) का उपयोग करके नागरिकों, उपभोक्ताओं या द्वात्रों की शिकायतों को तेज़, पारदर्शी और प्रभावी तरीके से सुलझाया जाता है।

### यह प्रणाली कैसे काम करती है?

**शिकायत दर्ज करना:** नागरिक अपनी शिकायत मोबाइल ऐप, वेबसाइट, कॉल या चैटबॉट के माध्यम से दर्ज कर सकते हैं।

- टेक्स्ट या वॉइस में शिकायत

- स्थानीय/क्षेत्रीय भाषा में सुविधा |

**सोशल मीडिया द्वारा शिकायत की पहचान और वर्गीकरण:** सोशल मीडिया शिकायत की भाषा और विषय को समझकर उसे सही विभाग से जोड़ता है।

- पानी, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि
- प्राथमिकता तय करता है (Urgent / Normal)

**स्वचालित प्रतिक्रिया (Auto Response):** सरल शिकायतों का समाधान सोशल मीडिया तुरंत दे देता है।

- पहले से उपलब्ध जानकारी
- सामान्य समस्याओं के समाधान

**मानव अधिकारी को भेजना:** जटिल शिकायतें संबंधित अधिकारी को भेजी जाती हैं।

- समय सीमा तय
- निगरानी और फॉलो-अप

**स्थिति की जानकारी (Tracking System):** शिकायतकर्ता को SMS / ऐप के माध्यम से स्थिति की जानकारी मिलती रहती है।

**सोशल मीडिया आधारित शिकायत निवारण प्रणाली के लाभ:**

- तेज़ समाधान: शिकायतों का निपटारा कम समय में होता है।
- पारदर्शिता: हर चरण की जानकारी शिकायतकर्ता को मिलती है।
- भाषा आधारित सुविधा: स्थानीय भाषाओं में शिकायत दर्ज करने की सुविधा।
- मानवीय पक्षपात में कमी: AI निष्पक्ष रूप से शिकायतों का विश्लेषण करता है।
- प्रशासन पर भार कम: अधिकारियों का समय बचता है और कार्यकुशलता बढ़ती है।

**नागरिक सेवाएँ मातृभाषा में:**

सरकारी और डिजिटल सेवाएँ अक्सर अंग्रेज़ी या सीमित भाषाओं में उपलब्ध होती हैं। इससे ग्रामीण और अशिक्षित वर्ग को सेवाओं तक

पहुँचने में कठिनाई होती है। सोशल मीडिया आधारित प्रणालियों को मातृभाषा में सेवाएँ देने के लिए प्रशिक्षित करना चुनौतीपूर्ण है। सही भाषा समर्थन न होने से डिजिटल विभाजन बढ़ सकता है।

**सोशल मीडिया भाषा विश्लेषण:** सोशल मीडिया द्वारा ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम पर प्रयुक्त भाषा का विश्लेषण। जनमत (Public Opinion) और भावनाओं की पहचान। भाषा परिवर्तन, नई शब्दावली और युवा भाषा शैली के अध्ययन में सहायक।

**भाषण से पाठ:** हिंदी/कन्नड़ भाषण को स्वचालित रूप से लिखित रूप में बदलना। न्यायालयों और संसद में भाषण रिकॉर्ड का टेक्स्ट रूपांतरण। भाषाई अभिलेख (Documentation) और शोध के लिए उपयोगी।

**पाठ से भाषण:** समाचार लेखों को स्थानीय भाषा में ऑडियो रूप में सुनाना। दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए AI आधारित वाचन प्रणाली। AI भाषा को समावेशी (Inclusive) बनाता है।

**भाषा शिक्षण ऐप्स:** सोशल मीडिया आधारित ऐप्स जो उच्चारण सुधारते हैं। हिंदी/अंग्रेज़ी सीखने के लिए वैयक्तिकृत अभ्यास। भाषा अधिगम में व्यक्तिगत आवश्यकता के अनुसार सीखना संभव।

### लुप्तप्राय भाषाओं का संरक्षण:

जनजातीय भाषाओं के ऑडियो-वीडियो संग्रह। AI द्वारा शब्दकोश (Digital Dictionary) निर्माण। भाषाई विविधता के संरक्षण में तकनीकी सहयोग।

### समाचार और सामग्री निर्माण:

AI द्वारा स्थानीय भाषाओं में समाचार सारांश। शैक्षणिक सामग्री और भाषण लेखन। सोशल मीडिया भाषा उत्पादन (Language Generation) की क्षमता दर्शाता है।

### ई-कॉमर्स और भाषा:

उत्पाद विवरण स्थानीय भाषा में स्वचालित रूप से उपलब्ध। ग्राहक समीक्षा का भाषा विश्लेषण। ग्रामीण और क्षेत्रीय उपभोक्ताओं की पहुँच बढ़ती है।

## उपसंहार

सोशल मीडिया रिश्तों को मजबूत करता है, गांव से बाहर रहने वाले लोग भी अपने परिवार और समुदाय से जुड़े रहते हैं। मनोरंजन और अभिव्यक्ति, लोगों के लिए संस्कृति, गीत, नृत्य और ग्रामीण प्रतिभाएं सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक बढ़ रही हैं। चुनौतियां, गलत सूचना, समय का दुरुपयोग और साइबर सुरक्षा जैसी समस्याएं भी मौजूद हैं, जिनके लिए जागरूकता आवश्यक है। भाषा पर सामाजिक मीडिया का प्रभाव किस प्रकार पड़ा है, अब तक तो हमने यहां जान लिया, परंतु और एक उदाहरण के साथ मैं यह समझाना चाहती हूं।

भाषाएँ और सोशल मीडिया एक-दूसरे की पूरक हैं। सोशल मीडिया भाषाओं को वैश्विक पहचान देता है, वहीं भाषाएँ AI को अधिक मानवीय बनाती हैं। दोनों का संतुलित विकास समाज, शिक्षा और संस्कृति के लिए अत्यंत आवश्यक है। सोशल मीडिया को तकनीक के साथ भाषाओं का प्रयोग मानव और मशीन के बीच सेतु का कार्य करता है। यह तकनीक को अधिक समावेशी, सुलभ और प्रभावी बनाता है। भविष्य में सोशल मीडिया और भाषाओं का समन्वय सामाजिक और शैक्षणिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

## सहायक ग्रंथ सूची

1. विश्व भाषा हिंदी - प्रोफेसर हरिमोहन, पृष्ठ संख्या 94.